पूरा होने में लगभग पांच वर्ष का समय लगेगा बशर्ते कि पर्याप्त धन उपलब्ध हो ।

### सवाई माधोपुर–जयपुर लाइन

2327. श्री अशोक गहलोत : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार सवाई माधोपुर से जयपुर तक बड़ी रेल लाइन बिछाने का है;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार द्वारा कब तक निर्णय किये जाने की संभावना है; और

(ग) इस पर अनुमानतः कितना व्यय होगा?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय-कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग). जी नहीं । लेकिन, 1973 में दिल्ली-अहमदाबाद आमान परिवर्तन के सर्वेक्षण के सन्दर्भ में, जिस पर योजना आयोग के परामर्श से पहले ही अलग से विचार किया जा रहा है, इस खंड (लम्बाई 132 कि. मी. तथा लागत 20 करोड़ रूपये) के आमान परिवर्तन के लिए सर्वेक्षण किया गया था । दिल्ली-अहमदाबाद मुख्य लाइन के आमान परिवर्तन के बाद जयपुर-सवाई माधोपुर मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने के बारे में यथोचित विचार किया जायेगा ।

### Sub-Inspectors of Railway Protection Special Force

2328. SHRI DAYA RAM SHAKYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether many Rakshaks, Senior Rakshaks/Head Rakshaks, Assistant Sub-Inspectors and Sub-Inspectors of the Railway Protection Special Force Battalion No. 6 are working with Officers of Security Directorate and Security Branches of Railway Board;

(b) if so, their number and reasons therefor;

(c) whether while working in Railway Board duties of these people are shown in Battalion, while they work in Security Directorate for many years now;

(d) the reasons of the misutilisation;

(e) whether many of these Rakshaks are working wtth Inspector General Railway Protection Force, Deputy Inspector Generals of Railway Protection Special Force/Deputy Inspector General/Anti Dacoity Officers.

(f) whether they are entitled to orderlies at their residences;

(g) whether one Staff Car of No. 6 BN Railway Protection Special Force exclusively used by Inspector General/Railway Protection Force and other officers which staff cars are available in Board's Office for official duties; and

(h) whether Petrol bill for car is being paid by No. 6 BN Railway Protection Special Force?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) and (b) Only 8 staff of No. 6 Battalion, Railway Protection Special Force, Dayabasti, Delhi of various ranks upto Assistant Sub-Inspector are assisting the Security Directorate in Railway Board in carrying out day to day official duties. While the Rakshaks are being primarily utilised, as messangers to handle confidential and urgent papers in lieu of peons, the other staff are being utilised in the office of DIG/Railway Protection Special Force who is ex-officio Addl. Director Security and is Head of the Railway Protection Special Force and his Pay and Allowances alongwith other officers staff working with him in Rail Bhavan is charged to the same head to which other expenditure on Railway Protection Special Force is Charged.

(c) No. The duties are being shown where they are actually working.

(d) Does not arise.

(e) and (f). Yes. Orderlies are deployed at the residence of Railway Protection Force|Railway Protection Special Force Officers as per scale entitled for Gazetted Officers of Railway Protection Force.

(g) Yes. The car is being utilised by Inspector General/Railway Protection Force, Deputy Inspector General/ Railway Protection Special Force and other Officers in accordance with the extant instructions in the regard for official duties.

(h) Yes.

### माल डिब्बों की वापसी

2329. श्री दया राम शाक्य: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोयला खानों, बन्दरगाहों तथा इस्पात-संयंत्रों, आदि में माल डिब्बों के लदान में विलम्ब के कारण माल डिब्बों की वापसी लंबी हो जाती है; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने कोयला खानों, बन्दरगाहों आदि पर माल डिब्बों के लदान में विलम्ब को खतम करने के लिए कोई तरीके निकाले हैं जिससे कि माल डिब्बों की वापसी के समय को कम किया जा सके और गाड़ी सेवा का अधिकतम उपयोग किया जा सके?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय-कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) जी हां।

(ख) अनुमत समय के भीतर माल डिब्बों की लदान सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित एजेंसियों के साथ निकट का सम्पर्क रखा जा रहा है। अनुमत छूट अवधि से आगे माल डिब्बों को रोक रखने के लिए विलम्ब शुल्क भी लिया जाता है।

### लखनऊ-सोनपुर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना

2330. श्री दया राम शाक्य : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पूर्वी रेलवे में सोनपुर-छपड़ा कचेरी और लखनऊ सोनपुर छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलने का कार्य इस बीच पूरा हो गया है; और

(ख) यदि हां, तो इन लाइनों की कब तक चालू होने की संभावना है?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय-कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन): (क) और (ख). सोनपुर-छपरा कचहरी खंड, बाराबंकी से समस्तीपुर की मुख्य आमान परिवर्तन की योजना का भाग है । समस्तीपुर से छपरा (166 कि. मी.) खंड से पहले ही मीटर लाइन से बड़ी लाइन में बदल दिया गया है और इसे यातायात के लिए खोल दिया गया है । छपरा से बाराबंकी तक के शेष खंड में कार्य प्रगति पर है और इसे 1981 के दौरान विभिन्न चरणों में खोलने का कार्यक्रम बनाया गया है । बाराबंकी से लखनऊ तक के खंड पर पहले ही बड़ी लाइन विद्यमान है ।

### Conversion of Samastipur-Raxaul line

2331. SHRI DAYA RAM SHAKYA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that survey for converting Samastipur- Raxaul, Lucknow-Kanpur, Sitapur-Budauel and Mau-Shahganj line into broad guage has also since been completed; and

(b) if so, the time by which conversion work is likely to start?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes.

1. Samastipur-Baxaul.

A preliminary engineering-cum-traffic survey for conversion from MG to BG of the section from Samastipur to Baxaul both *via* Muzaffarpur and *via* Darbhanga has already been conducted. As a result the Samastipur-Muzaffarpur section has already been